# सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज

आर्यनगर ( उत्तरी ), गोरखपुर

फोन : 0551-2203259, 2343492 फैक्स : 0551-2335124

e-mail - vidyamandir.gkp@gmail.com
Website - www.vidyamandir.edu.in

## विवरण पुस्तिका एवं प्रवेश आवेदन पत्र

ॐ भूभुर्वयः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

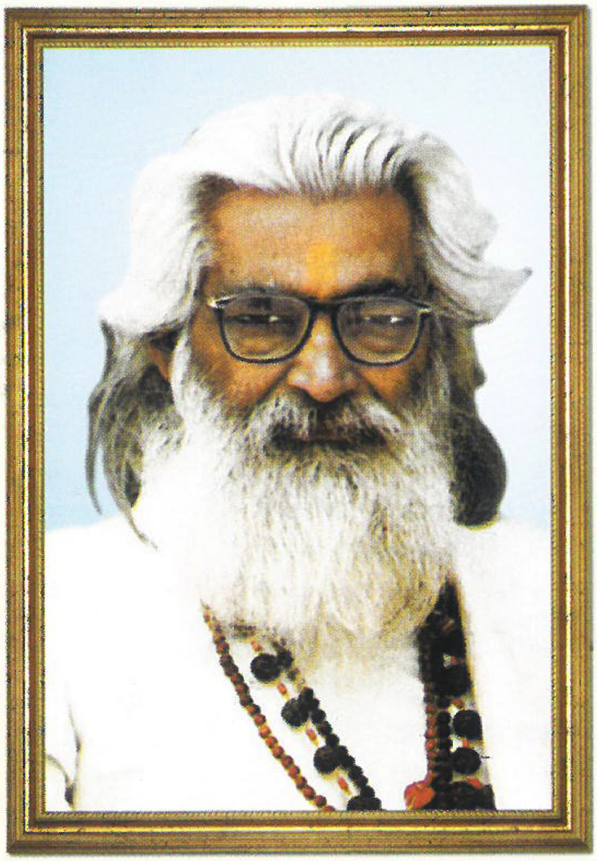

विद्यालय के संस्थापक एवं द्वितीय प्रधानाचार्य
प्रेरणा स्रोत एवं मार्गदर्शक
**स्व. नागेन्द्र सिंह जी ( दाढ़ी बाबा )**

**विद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य**
**स्व. रवि प्रताप नारायण गिरि जी**

# विद्या मन्दिर परिवार

स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व राष्ट्रीय अस्मिता परकीयों के अधीन थी। भारतीय संस्कृति का मूलोच्छेद किया जा चुका था। सम्पूर्ण राष्ट्र की तरूणाई का लक्ष्य परकीय व्यवस्था से मुक्ति हेतु, अनवरत आत्माहुति करके, भारतीय तन्त्र की पुनर्स्थापना हेतु 1947 में स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई थी। हुतात्माओं के बलिदान का बिना विचार किये, राष्ट्र के तत्कालीन तथाकथित सूत्रधारी राजनयिकों ने मैकाले की शिक्षा पद्धति को अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र पर थोप दिया। भारत माता की आत्मा स्वतंत्र होते हुए भी परोक्ष रूप से पुनः दासता की बेड़ी में जकड़ दी गयी। राष्ट्र की भूख की अनूभूति हुतात्माओं की आत्मा की शान्ति हेतु, भारत माता के सपूतों ने उन्नत स्वाभिमानी राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत होकर पूर्ण आत्मविश्वास से 1952 में सरस्वती शिशु मन्दिरों की शिक्षा की योजना आरम्भ किया। जिससे सम्पूर्ण राष्ट्र ही नही, अखिल विश्व भी इस शिक्षा पद्धति एवं राष्ट्रीय भावना के प्रति नतमस्तक है। इसी श्रृंखला में विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर ( उत्तरी ), गोरखपुर भी राष्ट्र निर्माण के इस वृहद अभियान में महायोगदान हेतु 13 जुलाई 1964 से समर्पण के साथ लगा हुआ है। किसी भी व्यक्ति, समाज,राष्ट्र का ध्येय एवं लक्ष्य यदि स्पष्ट रहता है, कार्य निस्पृह भाव से करने की भावना होती है, तो सफलता स्वतः पुरूषार्थी के चरण वन्दन हेतु चली आती है। ऐसा ही कुछ विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर ( उत्तरी ), गोरखपुर के सम्बन्ध में चरितार्थ होता है संस्थान आपके स्नेह एवं सहयोग से सहर्ष स्वाभिमानपूर्वक सम्पूर्ण समाज की चुनौती स्वीकार कर रहा है। विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर ( उत्तरी ), गोरखपुर जो कुछ भी समाज से लिया उसको द्विगुणित करके पुनः समाज को समर्पित करता जा रहा है। आज जहाँ भोगवादी अर्थ प्रधान शासन व्यवस्था मानव जीवन के लिए सब कुछ मान रही है वहीं हम महान राष्ट्र नायक चाणक्य के उद्घोष ''उतिष्ठ भारत'' का सदैव-सदैव स्मरण कर शिक्षा के द्वारा सच्चरित्र एवं संयमी मनुष्यों के निर्माण में अपना सौभाग्य अनुभव कर रहे हैं।

अब तक हम अपने साधनो के अभाव के कारण समाज के सर्वांगीण विकास को व्यवस्था देने में असमर्थता का अनुभव कर रहे थे। समाज के सर्वांगीण विकास की पीड़ा हमें सदैव सताती रही है। आपके स्नेह-सहयोग ने हमें इस योग्य बना दिया कि हम जीवन के उभय पक्ष का विकास राष्ट्र निर्माण हेतु एक स्थान पर साथ-साथ आरम्भ कर दें हमारा अभिप्राय आप अनुभव कर रहे होंगे। जीवन का उभय पक्ष पुरूष एवं नारी के समुन्नति से ही विकसित हो सकता है।

वर्तमान में बालिकाओं के लिए परास्नातक तक विज्ञान वर्ग एवं स्नातक वाणिज्य वर्ग की कक्षाएँ नवीन साज-सज्जा युक्त कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं के साथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूठा चल रहा है। पिछले 20 वर्षों से लगातार 100% परीक्षा परिणाम हो रहा है।

स्थानाभाव के कारण बालकों की शिक्षा व्यवस्था कक्षा अष्टम् तक ही थी। प्रत्येक वर्ष अष्टम् उर्त्तीण भैया अन्य विद्यालयों में प्रवेश हेतु काफी परेशान होते थे। अपने अभिभावकों की पीड़ा एवं परेशानी को देख कर विद्यालय के उत्तरी भाग में बालकों की यू.पी. बोर्ड से हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की शिक्षा हेतु विशाल भवन का निर्माण कराया गया। इस विद्यालय में मूल रूप से विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग की शिक्षा प्रदान की जाती है। कम्प्यूटर शिक्षा की भी उत्तम व्यवस्था है। इस विद्यालय का मुख्य द्वार रेलवे लाइन की तरफ से गुजरने वाली सोनौली रोड पर है। आशा एवं विश्वास है कि पूर्व की भाँति हमें आप सभी अभिभावक बन्धुओं का सहयोग निरन्तर प्राप्त होता रहेगा।


**रामदेव तुलस्यान**
अध्यक्ष

**विष्णु प्रताप सिंह**
प्रधानाचार्य
दूरभाष : 2202359

**शिवजी सिंह**
संस्थान प्रमुख
दूरभाष : 2335124

# सूचनायें

परम आदरणीय अभिभावक बन्धुओं, सप्रेम नमस्कार!

विद्या मन्दिर की उपलब्धियों से गोाखपुर नगर अथवा जनपद ही नहीं अपितु सम्पूर्ण पूर्वांचल सुपरिचित है। शिक्षा का एक मात्र संस्थान न होकर यौगिक प्रशिक्षण एवं आध्यात्मिक साधनाओं द्वारा शारीरिक सौष्ठव, नैतिक संस्कार सृजन एवं राष्ट्रीय चेतना के निरूपण में अहर्निश प्रयत्नशील यह विद्यालय राष्ट्र निर्माण की एक कड़ी बन चुका है।

अतीत के इतिहास में विश्व पूजित भारतीय धर्म एवं संस्कृति के वाङ्मय संस्कृत भाषा के अभ्युदय हेतु हमारा विद्यालय कृत संकल्प है। अन्तर्राष्ट्रीय जगत के ज्ञान विज्ञान के तुलनात्मक अध्ययन एवं भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक उपलब्धियों से पाश्चात्य जगत से परिचित कराने वाली अंग्रेजी भाषा के लिए हम सचेष्ट हैं।

राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर होने वाली छात्रवृत्ति एवं अन्यान्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बालक-बालिकाओं को सन्नद्ध कराना विद्या मन्दिर की अपनी विशेषता है। सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान के सनातन एवं नित्य नूतन चमत्कार के प्रति बालक-बालिकाओं को जिज्ञासु बनाने हेतु सदैव प्रयत्नशील है। शिक्षा जगत में यह उल्लेखनीय सफलता उददेश्यपूर्वक जीने वाले आचार्य एवं आचार्याओं की लगनशीलता का परिणाम है।

सत्रारम्भ में समस्त अभिभावकों से बालकों के निर्माण हेतु विद्यालय के सम्पूर्ण योजनाओं में सक्रिय सहयोगी बनने के लिए निवेदन है -

## निम्नलिखित सूचनाओं पर ध्यान दें –

1. नवीन प्रवेश हेतु विद्यालय कार्यालय का समय प्रातः 8.00 बजे से 1.00 बजे अपरान्ह तक रहेगा।
2. विद्यालय कक्षा काल 01 अप्रैल से 20 मई तक प्रातः 7.00 बजे से 12.00 बजे तक तथा 01 जुलाई से प्रातः 8.15 बजे से 2.15 बजे तक कक्षाएं चलेंगी।
3. गणवेश एवं पुस्तकों की सूची प्रवेश के समय दी जायेगी।
4. प्रत्येक अभिभावक को विद्यालय के नियमानुसार गणवेश, पाठन-सामाग्री प्रवेश के बाद 7 दिन के अन्दर पूर्ण कर देनी चाहिए।
5. विद्यालय वस्तु भण्डार से बैज तथा बेल्ट पैसा जमा करने पर प्रवेश के पश्चात् प्राप्त होगा।
6. सत्र के दौरान यदि विद्यालय छोड़ते हैं तो पूरे सत्र का शुल्क लिया जायेगा।
7. निर्धारित समय के पश्चात् छात्र के विद्यालय प्रांगड़ में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

# गणवेश

## नवम् से द्वादश तक के भैया (सोमवार से शुक्रवार)

ग्रीष्मकालीन : सफेद कमीज, डार्क ग्रे (शेड नं० 91 जे.सी.टी.) पैन्ट, सफेद मोजा, काला जूता (रेक्सीन का)।

(शनिवार- सफेद कमीज, सफेद पैन्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता (रेक्सीन या कपड़े का)

शीतकालीन : सफेद फुल कमीज, डार्क ग्रे (शेड नं० 91 जे.सी.टी.) पैन्ट, नेवी ब्लू स्वेटर, नेवी ब्लू ब्लेजर, नेवी ब्लू मफलर।

# पाठ्यक्रम

1. यू0पी0 बोर्ड द्वारा नवम् एव दशम् के लिए स्वीकृत पाठक्रम के अनुसार विषय-
   1- हिन्दी 2- अंग्रेजी 3. विज्ञान 4. सा० विज्ञान
   5- गणित/प्रा० गणित 6. कम्प्यूटर/कला/वाणिज्य
2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा एकादश एवं द्वादश के लिए स्वीकृत पाठ्यक्रम के अनुसार विषय-विज्ञान वर्ग-
   1- सामान्य हिन्दी 2- अंग्रेजी 3- भौतिक विज्ञान 4- रसायन विज्ञान
   5- गणित अथवा जीव विज्ञान

   वाणिज्य वर्ग-
   1- सामान्य हिन्दी 2- अंग्रेजी 3- बहीखाता एवं लेखाशास्त्र
   4- व्यापारिक संगठन एवं पत्र व्यवहार 5- अधिकोषण तत्व/व्यवसायिक गणित

### सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)
### आर्यनगर, गोरखपुर
विगत वर्षो से हाई स्कूल का परीक्षाफल

| वर्ष | कुल परीक्षार्थी | प्रथम | द्वितीय | तृतीय | अनु० | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | 322 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 09 | 97.20% |
| 2016 | 310 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 03 | 99.03% |
| 2015 | 325 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 00 | 100.00% |
| 2014 | 310 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 00 | 99.30% |
| 2013 | 310 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 07 | 97.70% |
| 2012 | 331 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 10 | 97.00% |
| 2011 | 285 | ग्रेडिंग प्रणाली | | | 19 | 93.33% |

### सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)
### आर्यनगर, गोरखपुर
विगत वर्षो से इण्टरमीडिएट का परीक्षाफल

| वर्ष | कुल परीक्षार्थी | प्रथम | द्वितीय | तृतीय | अनु0 | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | 275 | 172 | 80 | 08 | - | 94.54% |
| 2016 | 272 | 233 | 34 | 02 | - | 98.89% |
| 2015 | 252 | 199 | 48 | 02 | 3 | 98.80% |
| 2014 | 214 | 206 | 08 | 00 | - | 100% |
| 2013 | 244 | 161 | 74 | 07 | - | 99.18% |
| 2012 | 207 | 113 | 70 | 03 | - | 89.85% |
| 2011 | 192 | 120 | 57 | 00 | - | 92.18% |

# शुल्क विवरण

| नवम से द्वादश | मासिक शुल्क | नवीन प्रवेश शुल्क वार्षिक | प्राचीन शुल्क वार्षिक |
|---|---|---|---|
| नवम | 900.00 अप्रैल से मार्च तक | 2500.00 मार्च में | 2000.00 अप्रैल में |
| दशम | 800.00 अप्रैल से मार्च तक | | 2000.00 अप्रैल में |
| | 100.00 कम्प्यूटर विषय वाले भैया अप्रैल से मार्च | | |
| एकादश | 950.00 अप्रैल से मार्च तक विज्ञान वर्ग | 2500.00 मार्च में | 2000.00 अप्रैल में |
| | 900.00 अप्रैल से मार्च तक वाणिज्य वर्ग | 2500.00 मार्च में | 2000.00 अप्रैल में |
| द्वादश | 850.00 अप्रैल से मार्च तक विज्ञान वर्ग | | 2000.00 अप्रैल में |
| | 800.00 अप्रैल से मार्च तक वाणिज्य वर्ग | | 2000.00 अप्रैल में |

1. नवम् एवं एकादश कक्षा में नवीन प्रवेश हेतु अप्रैल मास में प्रवेश शुल्क के साथ क्रीड़ा, विद्युत, परीक्षा, पत्रिका शिविर एवं प्राथमिक चिकित्सा शुल्क रू० 2500/- एवं विद्या मंदिर से अष्टम उत्तीर्ण भैयाओं का रू० 2000/- देय होगा। मासिक शुल्क 12 माह का अप्रैल से मार्च तक प्रतिमाह जमा होगा।
2. नवम एवं एकादश कक्षा में प्रवेश हेतु पंजीकरण शुल्क रू० 200/- लगेगा।

## वार्षिक शुल्क विवरण: (प्रवेश के समय अप्रैल मास के किश्त के साथ)

| | विवरण | | षष्ठ से द्वादश |
|---|---|---|---|
| 1. | पुस्तकालय | - | 10.00 |
| 2. | विद्युत | - | 210.00 |
| 3. | चिकित्सा | - | 10.00 |
| 4. | परीक्षा | - | 300.00 |
| 5. | पत्रिका | - | 80.00 |
| 6. | वार्षिक कार्यक्रम | - | 150.00 |
| 7. | प्रवेश शुल्क | - | 500.00 |
| 8. | साज-सज्जा | - | 100.00 |
| 9. | दूर-संचार | - | 10.00 |
| 10. | उपकरण मरम्मत (फर्नीचर) | - | 180.00 |
| 11. | विकास शुल्क | - | 900.00 |
| 12. | परिचय-पत्र | - | 50.00 |
| | सर्वयोग | - | 2500.00 |

आलोक- पुराने भैया बहनों को प्रवेश शुल्क रू० 500.00 कम अर्थात 2000.00 रू० जमा करना होगा।

## आलोक :

1. शैक्षणिक यात्रा का शुल्क अलग से लिया जायेगा।
2. इसके अतिरिक्त पूरे सत्र भर कोई शुल्क नही लिया जायेगा।
3. विद्या मंदिर में सत्र 2001-2002 से शिशु से इण्टर कक्षा तक कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले भैयाओं का शुल्क आधा एवं द्वितीय स्थान पाने वाले भैया/बहनों का चौथाई शुल्क माफ होगा।
4. इण्टर कालेज ( बालक ) में एक माता पिता के 3 बालक अध्ययनरत रहेंगे तो उनमें एक का शुल्क आधा माफ ( 11 माह ) रहेगा। इसके लिए 05 मई तक प्रार्थना-पत्र देना होगा।
5. स्व० नागेन्द्र सिंह दाढ़ी बाबा प्रतिभा सम्मान जो विद्यार्थी अपने संकाय में प्रथम स्थान ( सर्वाधिक अंक ) प्राप्त करते है उन्हें यह सम्मान स्वरूप, गौरव-पत्र, शिल्ड तथा शुल्क में 75% की छूट दी जाती है।

## हमारा लक्ष्य एवं उददेश्य :

1. स्वच्छ सुन्दर आधुनिक साज-सज्जा से नवनिर्मित भवन।
2. सुयोग्य, संस्कारित आचार्यो द्वारा मनोवैज्ञानिक विधि से अध्यापन।
3. संस्कारसक्षम वातावरण से दैनिक जीवन में दैनन्दिनी संस्कारों की उत्तम व्यवस्था।
4. नियमित, निर्धारित गृहकार्य की व्यवस्था।
5. क्रिया आधारित शिक्षण पर बल।
6. व्यवस्था प्रियता, नागरिकता, व्यक्तित्व शक्ति विकास हेतु छात्र/छात्रा संसद की व्यवस्था।
7. उत्तरदायित्व की भावना हेतु छात्र मन्त्रिमण्डल की रचना।
8. विषयों के व्यावहारिक ज्ञान हेतु संस्कार भारती का गठन।
9. सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक ज्ञानार्जन हेतु दर्शन ( यात्राएं ) शिविर एवं प्रदर्शनियों का आयोजन।
10. **शिक्षार्थ आइये, सेवार्थ जाइये** की भावना को व्यावहारिक रूप देने हेतु असहाय एवं अशिक्षित क्षेत्रों में सेवा के कार्यो का आयोजन।
11. मातृभूमि, संस्कृति, धर्म, परम्परा एवं महापुरूषों के सम्बन्ध में सम्यक् जानकारी हेतु संस्कृति ज्ञान परीक्षा।
12. आध्यात्मिक, वैज्ञानिक एवं आधुनिकतम साधनों द्वारा शारीरिक एवं योग प्रशिक्षण की व्यवस्था।
13. आचार्य, छात्र एवं अभिभावक में पारिवारिक समरसता एवं सत् परामर्श हेतु कक्षासः अभिभावक गोष्ठी का आयोजन।
14. लेखन प्रतिभा के विकास हेतु वार्षिक पत्रिका जागृति का सम्पादन एवं प्रकाशन।

15. छात्रों के सर्वांगीण मूल्यांकन हेतु सतत् समीक्षात्मक पद्धति का प्रयोग।

16. शारीरिक, मानसिक, व्यावसायिक, नैतिक और आध्यात्मिक पंचमुखी शिक्षा व्यवस्था।

विद्यालय का आगामी सत्र वर्तमान सत्र की समाप्ति के तुरन्त पश्चात प्रारम्भ होगा। विद्यालय में छात्रों का प्रवेश वरीयता क्रम के अनुसार लिया जायेगा। विस्तृत जानकारी हेतु विद्यालय कार्यकाल के अवधि में प्रधानाचार्य से सम्पर्क करें।

17. समुचित व्यय में बालकों का पूर्ण विकास।

18. बालकों के चरित्र का इस ढंग से निर्माण कि वह कठिन काल में उनके जीवन की ज्योति तथा संबल बन सके।

19. ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा'' के सिद्वांतानुसार सुगठित तथा निरोग शरीर रचना पर पूरा ध्यान।

20. जीवन के प्रति कला और आनन्द की वृत्ति निर्माण के लिए सभी प्रकार की सुरूचियों तथा सुसंस्कारों को जाग्रत करना।

21. बालकों में शिष्टाचार, सदाचार, सामाजिक भाव, राष्ट्रभक्ति तथा परस्पर सहयोग वृत्ति का निर्माण।

## हमारी विशेषताएं :

1. **शिक्षक :** शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग अध्यापक हैं जिन्हें विद्या मंदिर में आचार्य कहते हैं। शैक्षणिक योग्यता के साथ, शिक्षा में रूचि, भारत की मान बिन्दुओं के प्रति निष्ठावान, अनुशासित तथा चरित्रवान शिक्षक है।

2 **शिक्षा :** शिक्षण की जितनी भी मान्य पद्वतियाँ हैं उन सभी तत्व को लेकर एक विशेष पद्वति का अनुसरण किया जाता है, जिसका आधार भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा है। संस्कारों को पुष्ट करने के लिए विभिन्न शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

3. **संस्कार भारती :** व्यवस्था प्रिय एवं उत्तरदायित्व का भाव जगाने हेतु, संस्कार भारती का गठन किया जाता है। इस संस्था द्वारा पुस्तकालय, वाचनालय की व्यवस्था, जयन्तियों का आयोजन, विशेष व्यक्तियों के आगमन पर उन्हें सम्मान प्रदान करना, प्रवचन, मंचीय कार्यक्रम तथा साहस और ज्ञान वर्धन हेतु गीत, कहानी कविता का आयोजन।

4. **सरस्वती यात्रा :** नगर के विशेष स्थान तथा निकटवर्ती जनपदों में विशेष स्थान के भ्रमण के कार्यक्रमों के द्वारा सामान्य ज्ञानकोष समृद्ध किया जाता है।

5. **देश दर्शन यात्रा :** ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थानों का अध्ययन इस यात्रा द्वारा कराया जाता है।

6. **पुस्तकालय :** बाल साहित्य तथा उद्धरण सम्बंधी पुस्तकों का विशाल पुस्तकालय है। जहाँ सप्ताह में भैया एक पुस्तक प्राप्त करते हैं। उद्धरण पुस्तकों के अध्ययन के लिए विद्यालय में ही

व्यवस्था है। समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के वितरण की व्यवस्था है।

7. **पत्रिका:** बालकों की रचना प्रवृत्ति को जगाने के लिए विद्यालय की अपनी वार्षिक पत्रिका ''जागृति'' है।

8. **एकरूपता:** धनपति एवं धनहीन दोनों के बच्चे एक ही वेष में विद्यालय आवें। इसके लिए गणवेश रखा गया है। बालकों के शरद एवं ग्रीष्मकालीन वेश भिन्न-भिन्न हैं।

9. (क) बौद्धिक भाषा, अन्त्याक्षरी, सुलेख, कला आदि का आयोजन मासिक स्तर पर किया जाता है।

   (ख) शारीरिक विकास हेतु दैनिक कार्यक्रमों की योजना है। समय-समय पर शारीरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

10. **पुरस्कार योजना :** हमारे संस्थान द्वारा विभिन्न अवसरों पर हमारे आचार्य/आचार्या एवं भैयाओं के उत्साह वर्धन हेतु विभिन्न प्रकार के पुरस्कार की योजना है।

11. **अभिभावक गोष्ठी :** वर्ग एवं कक्षास: भैयाओं के अभिभावकों की छमाही गोष्ठी आयोजित होती है, जिसमे अभिभावक अपनी समस्या रखते हैं तथा विद्यालय अपनी योजनाओं को बताता है। दोनों के सामयिक विचार विनिमय से बालकों का विकास किया जाता है।

12. **वार्षिकोत्सव एवं सरस्वती पूजन :** बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजन एवं वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है।

भवदीय

**सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल**
मंत्री
सरस्वती विद्या मन्दिर
आर्यनगर, गोरखपुर

# सरस्वती विद्या मन्दिर

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर के निम्नलिखित सात प्रभाग हैं-

## सरस्वती विद्या मन्दिर जूनियर हाईस्कूल

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2335124

## सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2343492
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

## सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर दूरभाष : 2201036
स्नातक
(विज्ञान बायो ग्रुप, होम साइन्स एवं वाणिज्य)
स्नातकोत्तर
(प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)
बी.एड. पाठ्यक्रम

## सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2202359
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

## सरस्वती विद्या मन्दिर जीजाबाई महिला छात्रावास

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2330496

## विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान

रहमतनगर, मानीराम, गोरखपुर
बी.टी.सी. पाठ्यक्रम
मो. : 9415824504

## SVM Public School

**Chiutaha, Maniram, Gorakhpur**
(English Medium C.B.S.E. Pattern)
Ph.: 2108883

मुद्रक: कस्तूरी आफसेट, गोरखपुर फोन: 0551-2340516, 2330589